भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate
Tele : 011-29583829, 29583545
e-mail : fmdte@nic.in, ffmcwc@gmail.com

भू तल, विंग 7 , पश्चिमी खण्ड–2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–110066

विषय : दिनांक 10/09/2024 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

सलंग्न : उपरोक्तानुसार

10/09/2024
~~(सहायक निदेशक)~~ EAD (HM)

उपनिदेशक 10/09/2024

निदेशक (बा.पू.प्र.)

Hindustan Times → 10/09/2024

{ LATEST CLIMATE DISASTER }

Typhoon Yagi ravages Vietnam

More rains battered Vietnam as super typhoon Yagi, the strongest storm to hit Asia this year swept through the country, destroying homes and civic amenities, as rescue teams battled torrid weather during their efforts

64

KILLED SO FAR

Most of the people killed either drowned in floodwater or were buried under landslides

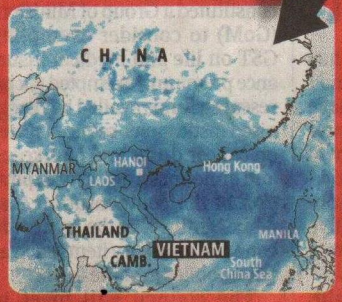

A SUPER TYPHOON

Yagi first slammed into Philippines and then China last week, packing winds with speeds of nearly 245km/hr at its peak, second-most powerful tropical cyclone in 2024 so far, after the Category 5 Atlantic hurricane Beryl.

VEHICLES WASHED AWAY

A passenger bus carrying 20 people was swept into a flooded stream by a landslide in mountainous Cao Bang province. Rescuers were deployed but landslides blocked their path. Meanwhile, a truck fell into a river after a portion of the Phong Chau Bridge in Phu Tho gave way.

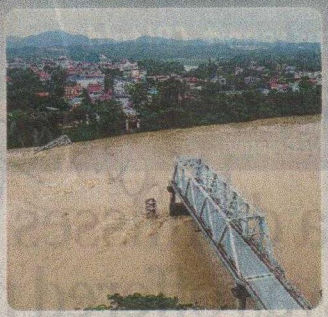

INDUSTRIES GRIND TO A HALT...

Managers and workers at industrial parks and factories in Haiphong, a coastal city of two million, had no electricity and were trying to salvage equipment from plants whose metal sheets roofing had been blown away.

...GLOBAL SUPPLY CHAINS MAY TAKE H

Vietnam is a crucial part of the supply chain for som of the world's most important companies and many key domestic and foreign-owned factories are locate in the north.

Times of India → 10/09/2024

VIETNAM BRIDGE COLLAPSES, CARS & TRUCKS FALL INTO RIVER; TYPHOON TOLL RISES TO 64

AFP

A bridge collapsed and a bus was swept away by flooding on Monday as more rain fell following a typhoon in Vietnam that has caused at least 64 deaths in the country and disrupted businesses and factories in the export-focused northern industrial hubs, state media reported. Nine people died when Typhoon Yagi made landfall in Vietnam on Saturday before weakening to a tropical depression, and at least 50 others have died in the consequent floods and landslides, state media VN Express reported. The water levels of several rivers in northern Vietnam were dangerously high. A passenger bus carrying 20 people was swept into a flooded stream by a landslide in mountainous Cao Bang province Monday morning. Rescuers were deployed but landslides blocked their path. In Phu Tho province, rescue efforts were continuing after a steel bridge over the engorged Red river collapsed Monday morning. Reports said 10 cars and trucks along with two motorbikes fell into the river. Three people were pulled out of the river, but 13 others were missing. Pham Truong Son, 50, told VNExpress that he was driving on the bridge on his motorcycle when he heard a loud noise. Before he knew what was happening, he was falling into the river. He held on to a drifting banana tree to stay afloat. AP

हिन्दुस्तान – 10/09/24

सफदरजंग मौसम केंद्र में अब तक 911 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज, मानसून की विदाई में दो सप्ताह और बचे

दिल्ली में मानसून मेहरबान, 42% ज्यादा बारिश

मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी दिल्ली पर इस बार मानसून की मेहरबानी 42 फीसदी ज्यादा रही। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अब तक 911 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि मानसून की वापसी में अभी लगभग दो सप्ताह का समय शेष है।

मानसून के चार महीनों को छोड़कर बाकी दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली में बारिश होती है, लेकिन सामान्य तौर पर यह ज्यादा नहीं होती है, जबकि जून के अंतिम दिनों से लेकर जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीसरे सप्ताह तक आमतौर पर अच्छी मानसूनी बारिश होती है। इस बार मानसून के आगमन के पहले दिन से ही दिल्ली में जोरदार बारिश देखने को मिली है।

मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि इस बार जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में अब तक सफदरजंग मौसम केंद्र में कुल 911.1 मिलीमीटर बारिश हुई है। इन चारों महीनों में सामान्य तौर पर 640.3 मिलीमीटर बारिश होती है। यानी दिल्ली में अब तक सामान्य तौर पर होने वाली मानसूनी बारिश से 270.8 मिलीमीटर ज्यादा बारिश हो चुकी है। सामान्य तौर पर होने वाली बारिश से यह 42 फीसदी ज्यादा है।

तापमान में कमी, वायु गुणवत्ता भी साफ : ज्यादा बारिश होने का असर हवा और तापमान पर देखा जा सकता है। लगातार बारिश के चलते हवा में घुले प्रदूषक कण काफी हद तक खत्म हो गए हैं और वायु गुणवत्ता का स्तर साफ बना हुआ है। बारिश से तापमान में गिरावट आई है।

दूसरी ओर मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में गिरावट आने से सुबह के समय हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। हालांकि, बारिश के दिनों में ठंडे मौसम का अहसास ज्यादा होता है।

दिल्ली में सोमवार को हुई बारिश के दौरान मजनूं का टीला इलाके से जलभराव के बीच गुजरते वाहन। • सतमान अती

राजधानी का मानसून मीटर (मिलीमीटर में)

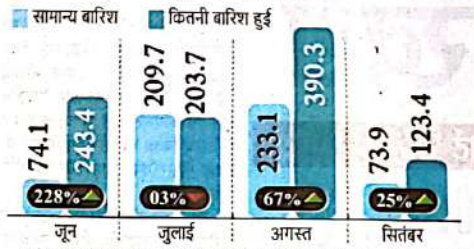

(नोट : आंकड़े मौसम विभाग के अनुसार हैं सितंबर के आंकड़े 09 तारीख तक के हैं)

बुधवार और गुरुवार के लिए येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अभी बारिश और बादल का मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। सोमवार को भी दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह से ही बादल छाए रहे। बारिश के चलते बनी नमी की धुंध सोमवार को भी दिल्ली के आसमान पर छाई रही। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से एक डिग्री कम है। गौरतलब है कि येलो अलर्ट का मतलब होता है कि घर से बाहर निकलते समय मौसमी गतिविधियों को अवश्य देख लें।

1000
मिलीमीटर तक इस बार बारिश होने की संभावना विशेषज्ञों ने जताई

270.8
मिलीमीटर से ज्यादा बादल इस मानसून में अब तक बरस चुके

> ज्यादा बारिश कई मौसमी परिघटनाओं के मेल के चलते हुई है। पिछले साल अल नीनो की स्थिति थी। उसमें बारिश कम होती है। इस बार अल नीनो समाप्त हो गया। बीच-बीच में पश्चिमी विक्षोभ भी आए। – महेश पालावत, मौसम निगरानी संस्था स्काईमेट के वैज्ञानिक

पिछले महीने 22 दिन हल्की से भारी वर्षा हुई

दिल्ली में जून और अगस्त में ज्यादा बारिश हुई। 28 जून को मानसून आने के साथ ही 24 घंटे के भीतर 228 मिमी से ज्यादा बारिश हुई थी। अगस्त में 31 में से 22 दिन ऐसे रहे जब हल्की बूंदाबांदी, मध्यम या भारी बारिश हुई। महीने के ज्यादातर दिनों में होने वाली इस बारिश से मौसम सुहाना रहा। सितंबर में अब तक सात दिन ऐसे रहे जब सफदरजंग मौसम केंद्र में कम या ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

आमतौर पर 23 सितंबर तक रहता है मानसून

दिल्ली मे मानसून की बारिश का आंकड़ा 911 मिलीमीटर से ज्यादा तक पहुंच चुका है। यहां आमतौर पर मानसून की वापसी 23 सितंबर के आसपास होती है। इसलिए माना जा सकता है कि अभी दो सप्ताह तक और मानसून की बारिश होगी। इस बाबत मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार मानसून की बारिश का आंकड़ा इस बार एक हजार मिलीमीटर से ज्यादा हो सकता है।

जंगल वाले हिस्से पर खूब बरसे बादल

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली में अगस्त में कई बार अच्छी बारिश हुई, लेकिन जंगल वाले हिस्से पर बादलों की मेहरबानी कुछ ज्यादा रही। रिज मौसम केंद्र में इस माह सामान्य से 122 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इसकी तुलना में दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में सामान्य से 67 फीसदी ज्यादा बादल बरसे। यानी मानक वेधशाला से दोगुना पानी रिज क्षेत्र में बरसा है।

मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि सफदरजंग मौसम केंद्र में एक अगस्त को सबसे ज्यादा 107 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी। पूरे अगस्त में सफदरजंग मौसम केंद्र में सामान्य से 67 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है, लेकिन बारिश के मामले में इस बार बाजी रिज मौसम केंद्र ने मारी है। इस इलाके में दिल्ली में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। 24 घंटे में 2.5 मिलीमीटर बारिश होने पर उसे बारिश वाला दिन (रेनी-डे) माना जाता है। रिज मौसम केंद्र में अगस्त में 22 रेनी-डे रहे। इस पैमाने पर अगर सफदरजंग मौसम केंद्र को देखें तो यहां 17 रेनी-डे रहे हैं।

रिज मौसम केंद्र पर हुई ज्यादा बारिश इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यहां सामान्य तौर पर सफदरजंग से कम बादल बरसते हैं।

अगस्त में कहां कितनी बारिश दर्ज की गई

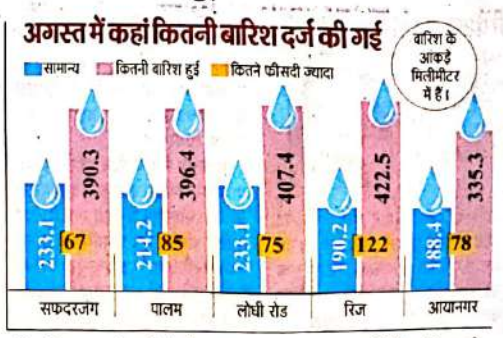

इस बार टुकड़ों में बारिश हुई : विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार दिल्ली में बारिश टुकड़ों में हुई है। इस तरह की घटनाएं ज्यादा देखने को मिलीं हैं कि एक इलाके में जमकर बारिश हुई और दूसरे हिस्से सूखे रह गए। इसलिए इस विषय पर कुछ भी ठोस होकर कहने के लिए ज्यादा अध्ययन की जरूरत है।